

XXXX

में अनुपाजि है। और : दादा कबीरदास का समय दादाजी

का समय में ही में खारी में डिया जा रहा है। पतावला

द्वेषन नमस्कार है। हम होकर साखिली नमस्कार है।



उपस्थान अधिकारी
साखिली